उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमोदित
सत्र 2013–2014 से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Syllabus as per single paper pattern for U.G. Classes Under Semester Scheme

As recommended by Central Board of Studies and approved by the H.E the Governor of M.P.
Effective from Session 2013-2014

Max. Marks / अधिकतम अंक : 85

Class / कक्षा	:	बी.ए.
Semester / सेमेस्टर	:	चतुर्थ
Subject / विषय	:	हिन्दी साहित्य
Title / शीर्षक	:	हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

Particulars/विवरण

इकाई – 1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की मूलाकार भाषाएं, विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा।

इकाई – 2 तत्सम और तद्भव का अंतर, हिन्दी का शब्द स्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली। तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली का वाक्यों में प्रयोग।
हिन्दी के व्याकरणाचार्य – कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास वाजपेयी का भाषिक अवदान।

इकाई – 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियां।

इकाई – 4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकासः – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युगीन नाटक एवं गद्य साहित्य, छायावादोत्तरयुगीन नाटक एवं गद्य साहित्य।

इकाई – 5 काव्यांग विवेचन– रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनुरूक्ति प्रकाश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा :

अंक विभाजन :	प्रश्न अंक योग
1. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :	5 X 10 = 50
2. लघुउत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20
3. वस्तु परक प्रश्न :	15 X 1 = 15
पूर्णांक	85

नोट : सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में अधिकतम अंक 85 होंगे एवं सतत व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल अंक 100 होंगे।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : ''हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन'' मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।